Abounding Joy
भरपूर आनंद

Phil 1:7-11

फिलिप्पियों १ : ७-११

Pastor Bryan Chapell
पास्टर ब्रायन चैपल

September 4, 2016
सितम्बर ४, २०१६

Theme: What do believers want the most for those they love the most?
जो परमेश्वर पर विश्वास करते है, वह लोग, जिसे वह प्यार करते है उनके लिए क्या चाहते है

I. To abound in love (v.9)
आनंद से भरपूर होना (व् ९)

What generates love? I John 4:19 " We love because He first loved us."

प्यार कैसे उत्पन होता है? १ 1 यूहन्ना ४:१९ " हम इसलिये प्रेम करते हैं, कि पहिले उस ने हम से प्रेम किया।"

How is love revealed

प्यार कैसे व्यक्त होता है

A. Revealed in Human Expression (v. 3-6)
मानवीय अभिव्यक्ति से (व् ३-६)

B. Revealed in Christ's Provision (v. 7-8)
प्रभु येशु के प्रावधान से व्यक्त होता है (व् ७-८)

a. Paul confesses: I need Jesus like you do (v.7)
पौलुस स्वीकार करता है : मुझे भी प्रभु येशु की जरूरत है (व् ७)

b. Paul Professes: I love you like Jesus does (v.8)
पौलुस प्रचार करता है : मई आप लोगो से प्रभु येशु की तरह प्यार करता हूँ (व् ८)

II. To deepen understanding (v. 9-10)
हम गहराई से समाज सकें (व् ९-१०)

What are three dimensions of deepened understanding?

गहरी समझ के तीन आयाम कौनसे है ?

A. Knowledge (v. 9b)
ज्ञान (व् ९ बी)

B. Discernment (v. 9c)

विवेक (व् ९ सी)

C . Approval (v. 10)

अनुमोदन (व् १०)

a. Of what is excellent (v. 10a)
तुम उत्तम से उत्तम बातों को प्रिय जानो

b. Of what is intended (v. 10b)
सच्चे बने रहो; और ठोकर न खाओ

III. To have a fruitful life. (v.11)
फल से भरा जीवन होना (व् ११)

A. Filled with fruit (v. 11a)
B. फल से भरपूर (व् ११ आ)

C. Fueled by Jesus (v. 11b)

प्रभु येशु से (व् ११ बी)

D. Flowing with God's glory (v. 11c)

परमेश्वर की महिमा प्रकट करते हुए (व् ११ सी)

Conclusion: How our fruit becomes God's glory.
निष्कर्ष: हमारे फल परमेश्वर की महिमा करता है